<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

आज दिनांकः5 सितम्बर, 2018 को पटना विश्वविद्यालय द्वारा ऐतिहासिक व्हीलर सीनेट हॉल में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया | इस अवसर पर महान शिक्षाविद एवं गाँधी विचारक प्रो० रामजी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे | इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पटना विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० रास बिहारी प्रसाद सिंह कर रहे थे | इस अवसर पर पटना विश्वविद्यालय के शिक्षक, पदाधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्रायें, अनुषद एवम् अभिषद के सदस्यगण उपस्थित थे |

मुख्य अतिथि प्रो० रामजी सिंह ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला | उनके कर्तव्य का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मिले सम्मान भारतीय एवं राष्ट्रीयता को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी महती भूमिका का अवलोकन कराया | उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भारतीय दर्शन ही भारत की आत्मा है और इसके बिना शिक्षा पूरी नहीं हो सकती | उन्होंने शिक्षा को स्वतंत्र एवम् स्वावलंबी होने की राष्ट्रपिता के मौलिक चिंतन को जीवंत बनाने की भरपूर वकालत की और कहा कि इसके बिना शिक्षा अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकता |

अध्यक्षीय भाषण करते हुए कुलपति प्रो० रास बिहारी प्रसाद सिंह जी ने जोरदार शब्दों में कहा कि इस भारत में डॉ० राधाकृष्णन तथा विवेकानंद दो ऐसे मनीषी हुए जिन्होंने प्राचीन संस्कृति को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर स्थापित करने में सफलता हासिल की | उन्होंने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को अपने कर्तव्यों एवम् दायित्वों का बोध कराते हुए छात्रहित में राधाकृष्णन के विचारों को आत्मसात

करने का अपील किया और उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते भौगोलिक परिवेश में आज शिक्षकों को उनके अनुकूल बदलना होगा अन्यथा राष्ट्र निर्माण का सपना साकार नहीं हो सकता | उन्होंने बिलकुल स्पष्ट कहा कि शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता हमारा धर्म है और इसका हम सबों को पालन करना चाहिये |

इस कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रतिकुलपति प्रो० डॉली सिन्हा तथा धनयवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया | इस अवसर पर अवकाशप्राप्त पटना वीमेंस कॉलेज की पूर्व प्राचार्या सिस्टर डोरिस डीसुजा तथा मैथिली विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो० लेख नाथ मिश्रा ने भी सभा को संबोधित किया |

इस अवसर पर पटना विश्वविद्यालय के अवकाशप्राप्त 10 शिक्षकों को तथा वर्तमान में कार्यरत 14 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया | सम्मानित होने वाले अवकाशप्राप्त शिक्षकों में प्रो० अमरेश पाठक, प्रो० लेख नाथ मिश्रा, प्रो एल० के० मिश्रा, डॉ० डोरिस डीसुजा मुख्य रूप से उपस्थित थे | हालांकि डॉ० एन० एन० सिंह, डॉ० पी० आर० एन० सिन्हा तथा डॉ० देवेश्वर झा अस्वस्थता के कारण उपस्थित नहीं हो सके | सम्मानित कार्यरत शिक्षकों में डॉ० कनक वर्मा, डॉ० वी० के० लाल, डॉ० बी० एन० पाण्डेय, डॉ० इला सिन्हा, डॉ० पशुपति नाथ, डॉ० अशोक कुमार सिंह, डॉ० जी० के० पिल्लई, डॉ० राधाकांत प्रसाद, डॉ० शैलेन्द्र कुमार उपस्थित थे |

इस अवसर पर इलाहाबाद बैंक, पटना विश्वविद्यालय शाखा द्वारा भी सभी महाविद्यालय के प्राचार्यों एवम् पटना विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रति-कुलपति, संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण तथा कुलसचिव को भी सम्मानित किया गया |